NOSEGAY TIMES

Result Special

Title No. RNI RAJBIL01637/20/1/2012-TC

• May, 2016 • Website : www.nosegaypublicschool.com

नोजगे की पल्लवी जैन कॉमर्स में राजस्थान में प्रथम (97.8%)

नोजगे उत्कृष्टता की ओर

गत वर्षों की भांति सीबीएसई बारहवीं में नोजगे प्रथम स्थान पर

पिछले वर्ष भी नोजगे ने फहराया था परचम

1. श्रीगंगानगर के नोजगे पब्लिक स्कूल में केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद उत्साहित अव्वल रहने वाले विद्यार्थी एवं साथ में हैं स्कूल के प्रबंध निदेशक डॉ.पी.एस. सूदन। 2. पल्लवी जैन अपने माता पिता के साथ। फोटो : इकबाल सिंह दिल्लों

» नोजगे के 36 विद्यार्थियों ने हासिल किए 90 प्रतिशत से अधिक अंक

» नोजगे के कॉमर्स में 20 विद्यार्थियों ने प्राप्त किये 90 प्रतिशत से अधिक अंक

» नोजगे के साइंस में 16 विद्यार्थियों ने प्राप्त किये 90 प्रतिशत से अधिक अंक

श्रीगंगानगर। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की बारहवी परीक्षा में नोजगे स्कूल फिर अव्वल रहा। इस स्कूल की छात्रा पल्लवी जैन पूरे राजस्थान में टॉपर रही। इस छात्रा ने सर्वाधिक 97.8 प्रतिशत अंक हासिल किए है। इसके अलावा श्रीगंगानगर के टॉप टैन विद्यार्थियों में नोजगे के पांच विद्यार्थियों ने अपना स्थान पाया है। इसी विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों की बात करें तो नोजगे के विद्यार्थियों ने गुणवत्तापूर्ण परिणामों के क्रम को बरकरार रखते हुए इस वर्ष भी पूरे श्रीगंगानगर में सर्वाधिक 36 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए हैं। इसके अलावा 72 विद्यार्थियों ने अस्सी से नब्बे प्रतिशत तक अंक हासिल किए और 70 विद्यार्थियों ने 70 प्रतिशत से अस्सी प्रतिशत तक अंक हासिल किए हैं। कॉमर्स संकाय में छात्रा पल्लवी जैन ने नोजगे का ही पूर्व स्थापित रिकॉर्ड तोड़ते हुए 97.8 प्रतिशत अंक प्राप्त करते हुए शहर में प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं राष्ट्रीय स्तर पर पोजीशन प्राप्त करने की दावेदारी जताई है। वाणिज्य वर्ग में 20 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक तथा विज्ञान संकाय में नोजगे के 16 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किए हैं। विज्ञान वर्ग में छात्रा नित्या शर्मा, कृतिका मुंडेजा और छात्र आशुतोष गोयल ने समान अंक प्राप्त करते हुए विद्यालय टॉप किया है। इस तरह अच्छी सफलता से नोजगे विद्यार्थियों ने दिखा दिया है कि उनमें अव्वल रहने का जज्बा है, उत्साह है। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के परीक्षा परिणाम ने उस वक्त पूरे इलाके को चौंका दिया, जब उच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में सबसे अधिक संख्या नोजगे पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी ही थे। इस तरह की सफलता प्राप्त करने वाला यह स्कूल पूरे राजस्थान में अव्वल दर्जा कहलाने का हकदार हो गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष भी सीबीएसई बारहवी परीक्षा परिणाम में नोजगे के विद्यार्थी अव्वल रहे थे और 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले सर्वाधिक विद्यार्थी नोजगे के ही थे। इसके साथ-साथ दसवी परीक्षा परिणाम में दस सीजीपीए हासिल करने वाले सर्वाधिक विद्यार्थी नोजगे के ही होते हैं।

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से घोषित बारहवी का परीक्षा परिणाम शनिवार को घोषित हुआ। जैसे ही परिणाम केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की वेबसाइट पर दिखा, छात्र- छात्राओं की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। किसी ने नोजगे स्कूल में फोन करके आशीर्वाद प्राप्त किया तो कई परिणाम आने के साथ ही स्कूल परिसर में पहुंच गए और अध्यापकों व स्टाफ से आशीर्वाद लिया। स्कूल में अपने साथियों व स्टाफ को देखकर खुशी से सराबोर हो गए। सिर्फ स्कूल में ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के परिवार व उनके मोहल्ले के लोग भी खुशी से झूम उठे। अव्वल अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के घर आस पड़ोस में रहने वाले लोग व उनके रिश्तेदार उनके घर बधाई देने उनके घर पहुंचे। स्कूल की ओर से भी इन विद्यार्थियों को फोन करके तथा मोबाइल पर संदेश भेजकर सफलता की बधाई दी गई। स्कूल प्रबंधन की ओर से स्कूल पहुंचे विद्यार्थियों एवं परिजनों को मिठाई खिलाकर खुशी व्यक्त की। मजे की बात यह रही कि अच्छे अंक प्राप्त करने वाले सबसे अधिक विद्यार्थी अकेले इसी स्कूल के हैं। प्राचार्या निम्फिया सूदन रेड्डी, निदेशक श्रीमती सुरेन सूदन, उपप्राचार्य डॉ. जी.के बाजवा ने शानदार परिणामों के लिए विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को बधाई प्रेषित की। प्रबंध निदेशक डा. पी. एस. सूदन ने विद्यालय के समस्त संकाय सदस्यों का आभार व्यक्त किया जिनके कुशल मार्गदर्शन से विद्यालय ने उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किया।

हर तरफ जश्न का माहौल

जैसे ही परिणाम घोषित हुआ तो अव्वल अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के घरों में जश्न का माहौल बन गया। अधिकांश विद्यार्थियों के अभिभावक अपने बच्चों के साथ स्कूल परिसर पहुंचे एवं इन विद्यार्थियों ने मिलकर जश्न मनाया। अभिभावकों व विद्यार्थियों ने एक दूसरे को बधाई दी, साथ ही स्कूल के अध्यापकों व प्राध्यापकों को भी इस अच्छी सफलता के लिए बधाई दी गई।

कॉमर्स टेलेन्ट सर्च में नोजगे देश में प्रथम

श्रीगंगानगर। कॉमर्स टेलेन्ट सर्च एग्जामीनेशन फाउंडेशन के तत्वावधान में हुई वाणिज्य प्रतिभा खोज परीक्षा में नोजगे की पल्लवी जैन पूरे देश में प्रथम स्थान पर रही। यह परीक्षा 18 दिसम्बर को आयोजित की गई थी। इस परीक्षा में पूरे देशभर के 400 विद्यालयों के 20 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया था। नोजगे स्कूल में इस परीक्षा की समन्वयक मंजु अग्रवाल ने बताया कि इस परीक्षा में प्रथम स्थान हासिल करने वाली पल्लवी जैन को उपहार स्वरूप लैपटॉप, ट्रॉफी व प्रमाण पत्र दिया गया है। इसके अलावा इस परीक्षा में स्कूल स्तर पर भी पुरस्कार वितरण किए गए। स्कूल स्तर पर बारहवीं कक्षा की पल्लवी जैन को प्रथम, राशिका वाट्स को द्वितीय व अशोक गुप्ता को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी तरह ग्यारहवीं कक्षा के गौरव गर्ग को प्रथम, मानवी बैराठी को द्वितीय तथा शोभित बलाना को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इन्हें फाउण्डेशन की ओर से ट्रॉफी व प्रमाण पत्र दिया गया है। इस उपलब्धि पर नोजगे के प्रबंध निदेशक डॉ.पी.एस.सूदन ने सफल विद्यार्थियों व स्टाफ को बधाई दी।

नोजगे में कला संकाय शुरू

श्रीगंगानगर। नोजगे पब्लिक स्कूल में इस नए सत्र से कला वर्ग का नया संकाय भी शुरू हो गया है। अब तक विद्यालय में विज्ञान व वाणिज्य संकाय थे और इनमें दोनों विषयों में सात सैक्शन विद्यालय में संचालित हो रहे थे। नया संकाय शुरू होने से इलाके में कला के विद्यार्थियों को अच्छी सुविधाएं मिलेगी। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने हाल ही में यह संकाय शुरू करने की अनुमति प्रदान की है। नोजगे पब्लिक स्कूल के प्रबंध निदेशक एवं संस्थापक अध्यक्ष डॉ.पी.एस. सूदन ने बताया कि इस विद्यालय में केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से कला वर्ग में अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति विज्ञान, भूगोल, हिन्दी, संगीत व चित्रकला विषय रखे गए हैं। इन विषयों में विद्यार्थी प्रवेश ले सकते हैं। इन विषयों के अध्यापन के लिए अनुभवी व प्रशिक्षित स्टाफ की व्यवस्था कर दी गई है।

डॉ.सूदन का मानना है कि कला वर्ग एक गंभीर विषय है। इतिहास इस बात का गवाह है कि राजनीति के क्षेत्र में बड़े पद पर जाने वालों का पसंदीदा विषय कला का ही होता है, क्योंकि कला वर्ग में ही इतिहास, राजनीति विज्ञान व समाजशास्त्र का समावेश होता है। आज के विद्यार्थी देश का भविष्य हैं। इन विद्यार्थियों में इतिहास संजोए रखने का दायित्व होगा, वहीं इन विद्यार्थियों में से ही भावी राजनीतिज्ञ होंगे। इसलिए आज के परिप्रेक्ष्य में अच्छे भविष्य के लिए कला वर्ग के ये विषय जरूरी हो गए हैं। इसके अलावा प्रशासनिक सेवा में जाने वाली प्रतिभाओं की प्राथमिकता कला वर्ग होती है। प्रशासनिक सेवा में अच्छी प्रतिभाएं पहुंचे, इस उद्देश्य को देखते हुए स्कूल में कला वर्ग शुरू किया गया है।

संगीत व चित्रकला में सदैव अग्रणी नोजगे

नोजगे स्कूल में नए सत्र से शुरू होने वाले कला वर्ग में संगीत व चित्रकला के विषयों की भी अनुमति मिल गई है। विद्यालय संगीत व कला के क्षेत्र में सदैव अग्रणी रहा है। अब नए युग में केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम में इस विषय के प्रति अच्छा रुझान मिल रहा है, वह इस कला को संजोए रखने के लिए पर्याप्त प्रतीत होता है। प्राचार्या श्रीमती निम्फिया सूदन रेड्डी ने बताया कि अभिभावकों की मांग के बाद विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के क्रम में अब विद्यालय में कला संकाय भी शुरू किया गया है। नोजगे अपने शैक्षिक परिणामों के स्तर को कला संकाय में भी बरकरार रखेगा।

राजस्थान में कॉमर्स में प्रथम रहीं पल्लवी जैन का कहना है कि

'वाट्सएप, फेसबुक को पढ़ाई से रखें दूर'

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) में कॉमर्स टॉपर रही छात्रा पल्लवी जैन का कहना है

PALLAVI JAIN

कि सफलता पाने के लिए सोशल साइटों से दूर रहना होगा। सोशल साइट जैसे वाट्सअप व फेसबुक विद्यार्थी वर्ग की पढ़ाई में बहुत ही बाधक है। जब तक मोबाइल में ये एप चालू हैं, पढ़ाई में एकाग्रचित मन बिल्कुल नहीं लग सकता और एकाग्रचित्तता के बिना पढ़ाई नहीं हो सकती। क्योंकि पढ़ाई तो सभी करते हैं, परन्तु अधिकांश लोग अपना ध्यान ऐसी साइटों की ओर डाइवर्ट कर लेते हैं, जो उनकी पढ़ाई व करियर के लिए बाधक साबित होती है। हालांकि मेरा मत इंटरनेट से दूर रहने का नहीं, बल्कि फालतू की 'गपशप' से दूर रहने का है। इंटरनेट जिस प्रकार सूचना पाने के लिए सहायक सिद्ध होता है, उसी प्रकार वाट्सएप व फेसबुक पढ़ाई में बाधक होता है। पापा की इन साइटों से दूर रहने की सलाह ही मुझे काम आई और मैंने यह सफलता हासिल की। पढ़ाई के लिए मैथड संबंधी सवाल पर इस छात्रा का कहना था कि पढ़ाई के लिए उसका तरीका अन्य विद्यार्थियों से बिलकुल अलग है। वह एक दिन में सभी विषयों का अध्ययन नहीं करती, बल्कि एक विषय पर ध्यान केन्द्रित करके एक दिन में एक ही विषय पर ध्यान केन्द्रित हुए अध्ययन करती है और भविष्य में भी उच्च शिक्षा में इस तरह से अध्ययन को जारी रखेगी, क्योंकि किसी एक विषय पर फोकस किए बिना संबंधित विषय के कॉन्सेप्ट पूरी तरह क्लीयर हो ही नहीं सकते। भविष्य में करियर संबंधी सवाल पर इस छात्रा का कहना था कि वह इन्वेस्टमेंट बैंकर्स या सिविल सर्विसेज में जाना चाहती है। प्राथमिकता भारतीय प्रशासनिक सेवा में अधिकारी बनकर जनता की सेवा करने का सपना है। श्रेय के बारे में पूछे जाने पर छात्रा का कहना है कि वह अपने पिता श्री एस.के. जैन एवं मां श्रीमती प्रवीण जैन को इस सफलता का श्रेय देती हैं, जिन्होंने पढ़ाई के लिए अच्छा माहौल उपलब्ध करवाया। इसके अलावा स्कूल प्राध्यापकों ने अच्छे तरीके से अध्यापन करवाया और पढ़ाई से संबंधित हर शंका को दूर किया। स्कूल प्रबंध निदेशक डॉ.पी.एस.सूदन का भी आभार, जिन्होंने हर संकाय व हर कक्षा कक्ष में डिजिटल तकनीक पर आधारित व्यवस्था करवाई। अन्य विद्यार्थियों से संदेश संबंधी सवाल पर इस छात्रा का कहना था कि पढ़ाई के साथ सोशल साइट का इस्तेमाल नहीं करें और एकाग्रचित होकर पढ़ाई करें तो सफलता निश्चित है।

PALLAVI JAIN 97.8% (Commerce) | ASMITA CHACHAN 95.6% (Commerce) | IKJOT KAUR 95% (Commerce) | RASHIKA WATTS 93.8% (Commerce) | SAHEJBIR SINGH SIDANA 93.8% (Commerce) | RITIKA JAKHAR 93.6% (Commerce) | HARSHITA 93.4% (COMMERCE)

NITYA SHARMA 93.2% (SCIENCE) | ASHUTOSH GOYAL 93.2% (SCIENCE) | KRITIKA MUNDEJA 93.2% (SCIENCE) | VIPUL CHUGH 93% (SCIENCE) | ASHOK GUPTA 92.8% (COMMERCE) | JATIN BHATIA 92.8% (COMMERCE) | ADITI 92.8% (COMMERCE)

SNEHA BISHNOI 92.6% (SCIENCE) | ANCHIT MIDHA 92.4% (COMMERCE) | NITISHA CHANDAK 92.4% (COMMERCE) | KIRANDEEP KAUR 92.2% (SCIENCE) | NIPUN KATARIA 92.2% (SCIENCE) | ANURAG KARWA 92% (SCIENCE) | KHUSHWANT SINGH 92% (SCIENCE)

YUKTA SONI 91.6% (SCIENCE) | KRITIKA LAKHOTIA 91.6% (SCIENCE) | ARPITA 91.4% (COMMERCE) | RUDRAMA 91.4% (COMMERCE) | ARMAN 91.2% (COMMERCE) | ANANNYA NARANG 91% (Science) | RASHI 91% (SCIENCE)

SAKSHAM 91% (SCIENCE) | KHUSHBOO KUKKAR 91% (COMMERCE) | DEVANSH JINDAL 90.8% (SCIENCE) | TRISHA VERMA 90.6% (COMMERCE) | TUSHAR VERMA 90.2% (Science) | LAVISH KASERA 90.2% (COMMERCE) | GARVIT JAIN 90% (COMMERCE) | YASH KANDOI 90% (COMMERCE)

SHALINI SINGH 89.8% (COMMERCE) | ABHIJEET KUKKAR 89.6% (COMMERCE) | SAKSHI YADAV 89.4% (SCIENCE) | RACHIT MIDDHA 89.4% (SCIENCE) | BHAWANA MUTNEJA 89.2% (COMMERCE) | DEEKSHA JAGGA 89.2% (COMMERCE) | HARSH POTLIYA 89% (COMMERCE) | YASHI AGGARWAL 88.8% (SCIENCE) | ALISHA CHHABRA 88.8% (COMMERCE) | ISHAN SINGAL 88.6% (COMMERCE) | KESHAV ARORA 88.6% (COMMERCE) | PRATEEK KATARIA 88.6% (COMMERCE)

APOORVA ARORA 88.4% (SCIENCE) | SNEHA THIRANI 88% (SCIENCE) | MANVI GUPTA 88% (SCIENCE) | TARUN GIRDHER 87.8% (COMMERCE) | SAMRITI MAHESHWARI 87.4% (COMMERCE) | MONIKA SAHARAN 87.2% (COMMERCE) | ABHIMANYU 87% (SCIENCE) | BHAWNA VERMA 87% (Science) | DEEPAK SINGAL 86.8% (Science) | DEEKSHA SHARMA 86.8% (COMMERCE) | JASMINE KAUR 86.8% (COMMERCE) | RAGHAV MUNJAAL 86.6% (COMMERCE)

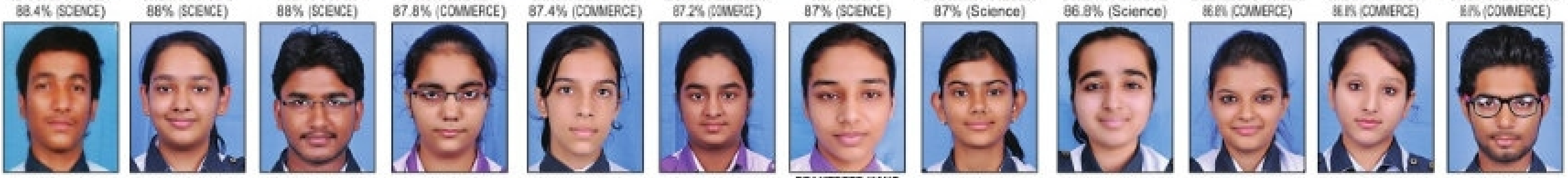

SANYAM BANSAL 86.4% (COMMERCE) | RADHIKA GUPTA 86.2% (COMMERCE) | PARDEEP MITTAL 86.2% (COMMERCE) | AMISHA MIDDHA 86% (SCIENCE) | LAVISHA KHATTAR 86% (SCIENCE) | ASHWEEN MIDDHA 86% (COMMERCE) | BEANTDEEP KAUR 85.8% (COMMERCE) | MEENU GARG 85.6% (SCIENCE) | JANNIFER WADHWA 85.6% (COMMERCE) | MUSKAN PAHUJA 85.6% (COMMERCE) | TAMANA CHHABRA 85.4% (SCIENCE) | NISHANT 85.2% (COMMERCE)

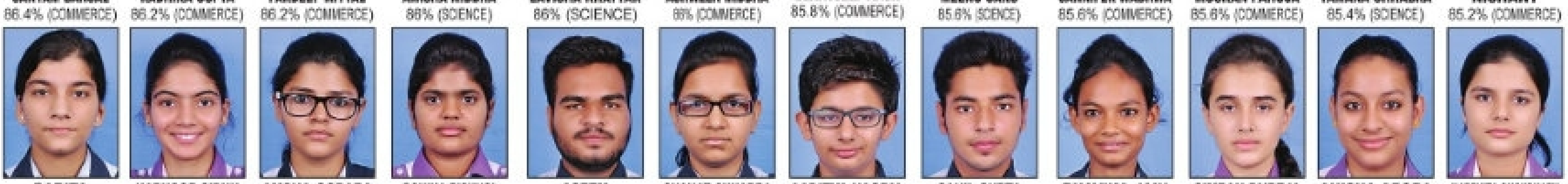

BABITA 85% (COMMERCE) | HARNOOR SIDHU 85% (COMMERCE) | AMSHA GODARA 84.8% (SCIENCE) | DONIKA BISHNOI 84.6% (Science) | ASEEM 84.4% (COMMERCE) | CHAHAT CHHABRA 84.2% (SCIENCE) | AADITYA NAGPAL 84.2% (Science) | SAHIL GUPTA 84.2% (COMMERCE) | BHAVIKA JAIN 84.2% (COMMERCE) | SIMRAN DUREJA 84% (COMMERCE) | ANISHA ARORA 84% (COMMERCE) | HARSHITA CHOUDHARY 83.8% (SCIENCE)

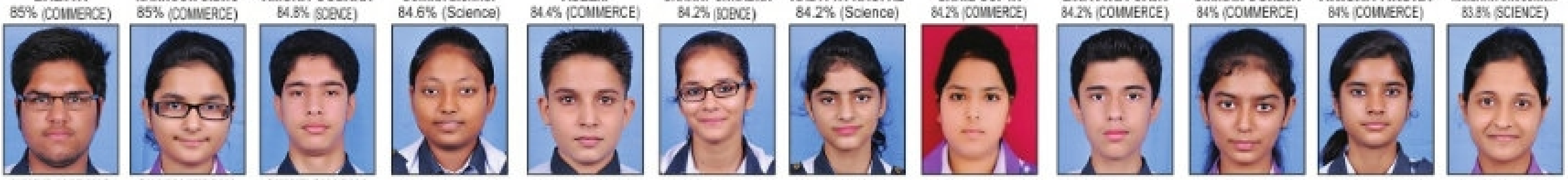

NAKUL NARANG 83.6% (COMMERCE) | SHAILY MIDDHA 83.4% (SCIENCE) | SUMIT SHARMA 83.2% (SCIENCE) | DIVYA MITTAL 83% (COMMERCE) | RAHUL BENIWAL 82.6% (SCIENCE) | DEPIKA CHHABRA 82.6% (COMMERCE) | MANISHA SHARMA 82.4% (Science) | VANSHIKA CHHABRA 82.4% (Science) | ANSHUMAN SINGH 82.2% (SCIENCE) | NISHTHA CHUGH 82.2% (Science) | BHAVIKA GAHLOT 82% (COMMERCE) | KIRAT CHAUHAN 81.8% (SCIENCE)

GAURAV YADAV 81.8% (Science) | AAYUSH MITTAL 81.6% (SCIENCE) | SUNANDAN MAHIPAL 81.2% (COMMERCE) | LAVANYA KAUSHAL 81% (SCIENCE) | DEEKSHA CHUGH 80.8% (COMMERCE) | KUNWAR NAGPAL 80.8% (COMMERCE) | GAZAL CHUGH 80.8% (COMMERCE) | KUDRAT RANDHAWA 80.6% (COMMERCE) | AKSHITA KATHPAL 80.4% (SCIENCE) | PALAK ANGI 80.4% (COMMERCE) | CHITWAN SETIA 80.2% (COMMERCE) | TARUN AGGARWAL 80% (SCIENCE) | NIDHI JHORAR 80% (COMMERCE)

दसवीं में फिर अव्वल, इलाके में छाया नोजगे

सीबीएसई दसवीं का परीक्षा परिणाम

श्रीगंगानगर। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की दसवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शनिवार को घोषित होने के साथ ही बाल चेहरे खुशी से चहक उठे। इलाके के स्कूलों में 10 सीजीपीए हासिल करने वाले सर्वाधिक विद्यार्थी नोजगे स्कूल के ही रहे। इस स्कूल के 47 विद्यार्थियों ने इस परिणाम में 10 सीजीपीए हासिल किए हैं।

दसवीं का परीक्षा परिणाम घोषित होने की सूचना शनिवार को जैसे ही इंटरनेट पर मिली तो अपने अच्छे अंक देखकर दसवीं के विद्यार्थी खुशी से सराबोर हो उठे। विद्यालय एवं घरों में विद्यार्थियों को बधाइयां देने वालों का तांता लग गया। विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ स्कूल परिसर पहुंचे एवं अध्यापकों व पूरे स्टाफ को इसकी बधाई दी। विद्यालय प्रबंधन ने स्कूल पहुंचे विद्यार्थियों का मुंह मीठा करवाकर स्वागत किया, वहीं विद्यार्थियों के अभिभावकों ने भी विद्यालय परिसर तथा घरों में मिठाइयां वितरित कर खुशी के पल साझा किए। स्कूल में पहुंचे विद्यार्थियों ने एक दूसरे को बधाई दी व जमकर खुशियां मनाई। इससे इलाके में खुशी का माहौल हो गया। नोजगे के प्रबंध निदेशक डॉ.पी.एस. सूदन ने बताया कि विद्यालय के कुल 250विद्यार्थियों में से 47 विद्यार्थियों ने ए वन ग्रेड अर्थात सीजीपीए 10 हासिल करते हुए इलाके में प्रथम स्थान प्राप्त करके कीर्तिमान स्थापित किया है। इसी तरह 77 विद्यार्थियों ने ए टू ग्रेड हासिल की है। दसवीं कक्षा में सीजीपीए 10 हासिल करने वाले विद्यार्थी फूले नहीं समा रहे थे, वहीं उन्हें उज्ज्वल भविष्य की झलक भी दिखने लगी थी। उनसे बातचीत में किसी ने सीए बनने की इच्छा जताई तो किसी ने इंजीनियर बनने की। कई विद्यार्थियों ने प्रशासनिक अधिकारी, एयरफोर्स व देश के उच्च पदों पर जाने की इच्छा जताई। सीजीपीए 10 हासिल करने वाले कई छात्रों का कहना था कि वे प्रशासनिक सेवा में चयनित होकर देश की सेवा करना चाहते हैं। उनका कहना था कि उन्होंने नियमित व निर्धारित घण्टे पढ़ाई की। उसने इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के साथ-साथ गुरुजनों को दिया। सीजीपीए 10 हासिल करने वाली एक छात्रा का कहना था कि वह सीए बनकर अपने परिवार का नाम रोशन करना चाहती है। उसका कहना है कि सफलता सिर्फ दिन रात लगातार पढ़ाई करने से नहीं मिलती। इसके लिए यह जरूरी है कि हम पढ़ाई के प्रति कितने समर्पित हैं। अन्य विद्यार्थियों में किसी ने इंजीनियर बनने की इच्छा जताई तो किसी ने शिक्षा क्षेत्र में नाम कमाने की। आत्मविश्वास के साथ उसका कहना था कि उसने इसके लिए अभी से तैयारी शुरू कर दी है।

नोजगे के प्रबंध निदेशक एवं संस्थापक अध्यक्ष डॉ.प्रे.पपिन्द सिंह सूदन का कहना है कि नोजगे के विद्यार्थी मेहनत, लग्न व नियमित रूप से अध्ययन करते हैं। इसी का परिणाम है कि स्कूल का परिणाम इतना अच्छा है। पिछले कई वर्षों से लगातार विद्यालय का परीक्षा परिणाम अच्छा रह रहा है। विद्यार्थियों की मेहनत की बदौलत स्कूल का नाम रोशन हो रहा है। इस सफलता के लिए सबसे अधिक बधाई के पात्र विद्यार्थी स्वयं हैं, जिन्होंने लगन व मेहनत से पढ़ाई की। इसके अलावा स्टाफ व अभिभावकों की मेहनत भी कम नहीं। उन्होंने ना सिर्फ विद्यार्थियों को पढ़ने का अच्छा माहौल उपलब्ध करवाया, बल्कि विद्यार्थियों को अच्छे अंक लाने के लिए समय- समय पर प्रेरित भी किया। सभी की मेहनत से विद्यालय का नाम इलाके में ऊंचा हुआ है।

हर साल बढ़ती है सुविधाएं : नोजगे की प्राचार्य निम्किया सूदन रेड्डी का कहना है कि स्कूल में हर वर्ष सुविधाओं में बढ़ोतरी की जाती है। साथ ही स्कूल में फैकल्टी पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इसी का परिणाम है कि स्कूल में बारहवीं व दसवीं का परीक्षा परिणाम हर वर्ष अच्छा रहता है। इस वर्ष भी परिणाम अच्छा रहा है, उसके लिए विद्यार्थियों के साथ- साथ विद्यालय स्टाफ तथा अभिभावक बधाई के पात्र हैं। नोजगे पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर (केजी) सुरेन सूदन का कहना है कि परीक्षा परिणाम के बाद स्कूल में आए विद्यार्थियों के चेहरों पर सफलता झलक रही थी। उनका कहना था कि ऐसे शिक्षा स्तर इलाके में शिक्षा की एक दिशा ही बदल जाएगी। विद्यालय की उप प्राचार्य डॉ.जी.के. बाजवा का कहना था कि विद्यार्थियों ने दसवीं व बारहवीं कक्षा में जिस तरह की उपलब्धि हासिल की है, उस उपलब्धि को इसी तरह बरकरार रखने की आवश्यकता है। पिछले कई वर्षों से स्कूल ने अच्छा रिकार्ड बनाया है।

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 10वीं कक्षा में 10 सीजीपीए प्राप्त करने वाले नोजगे के विद्यार्थी

ADHYAN ARORA S/o : PREM ARORA	ANSHUL MITTAL S/o : RAJENDER MITTAL	ANVEEKSHA NAGPAL D/o : SUMAN NAGPAL	ARCHIE ANANT S/o : MAJ MANOJ PANDEY	ARSHDEEP SINGH BRAR S/o : AMANDEEP SINGH BRAR	ASHISH YADAV S/o : SURINDER YADAV	ASHUTOSH S/o : PARMENDER KUMAR LIMBA	AYUSH KASNIA S/o : SUBHASH CHANDER KASNIA	BHAVYA CHOUDHARY S/o : RAKESH

CHINMAYA CHAWLA S/o : DHEERAJ CHAWLA	DRISSHTI M.MEHTA S/o : MUKESH MEHTA	GOVIND RATHI S/o : ANURAG RATHI	HRITWIK GOKLANEY S/o : RAJAN GOKLANEY	ISHITA SINGH S/o : Lt. Col. Sudhir Singh	JAIVARDHAN SINGH CHAUDHARY S/o : NARENDER KUMAR CHAUDHARY	JEEVTESH SINGH S/o : LT COL. B.P. SINGH	KANIKA CHUGH S/o : RUPESH KUMAR CHUGH	KANISHKA JAIN S/o : NANAK JAIN

KASHISH JUNEJA S/o : PAWAN KUMAR JUNEJA	KHUSHI SIDANA S/o : BHUPESH SIDANA	KOMAL S/o : SANJAY GUPTA	LAKSHAY CHAWLA S/o : NEERAJ CHAWLA	MAYANK RAJ S/o : AJAY KUMAR GUPTA	MIHIR S/o : HARI DEV KASWAN	MUSKAN BENIWAL S/o : SHYAM SUNDER BENIWAL	NANDINI GOYAL S/o : CHANDRESH GOYAL	NITIN KHURANA S/o : IQBAL KHURANA

PARUL BHARDWAJ S/o : DINESH BHARDWAJ	PRAJJAWAL KAMRA S/o : PRADEEP KAMRA	PRANAV GUPTA S/o : ARVIND KUMAR GUPTA	PRANJAL SINGHAL S/o : RAJESH KUMAR SINGHAL	PULKIT SINGHAL S/o : ANIL SINGHAL	RAGINI AGGARWAL S/o : MADHUSUDAN AGGARWAL	RAVLEEN SINGH S/o : AJIT PAL SINGH	RITISH BHAGAT S/o : RAVI KUMAR BHAGAT	RUBAL TRIPATHI S/o : KAUSHAL KISHORE	SAMRIDHI JINDAL S/o : SUSHIL JINDAL

SANCHIT DAMRI S/o : SUSHIL KUMAR DAMRI	SANCHITA S/o : RAJESH KUMAR	SARISHTY MUKHIJA S/o : ANIL MUKHIJA	SHASHANK GOYAL S/o : RAJEEV KUMAR GOEL	SHAWANPREET KAUR S/o : TARSEM SINGH	SOURABH BHAMBHU S/o : VINOD KUMAR BHAMBHU	TAVISHI S/o : VIVEK ARORA	UJJWAL KALRA S/o : GIRISH KALRA	VINEET JINDAL S/o : KEWAL JINDAL	YASHIKA BANSAL S/o : RAJINDER BANSAL

फिनलैण्ड में अध्यापकों का उच्च सामाजिक स्तर

फिनलैण्ड का दौरा कर लौटे प्रबंध निदेशक डॉ.पी.एस. सूदन का साक्षात्कार

शिक्षण व्यवस्था में सुधार के लिए देश के प्रतिनिधिमंडल के साथ नोजगे के प्रबंध निदेशक डॉ.पी.एस. सूदन ने भी फिनलैण्ड का दौरा किया एवं वहां की शिक्षण व्यवस्था को देखा। देश में स्कूली शिक्षा में सुधार के लिए गए इस प्रतिनिधिमंडल ने वहां के शिक्षाविद् व सरकारी अधिकारियों के साथ शिक्षण व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की। शिक्षण व्यवस्था में सुधार के लिए प्रो.सूदन इससे पूर्व कई देशों का भ्रमण कर चुके हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका के कई शहरों सहित जापान एवं कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, जर्मनी, स्विट्जरलैंड, बेल्जियम, माल्टा की शिक्षण व्यवस्थाओं को उन्होंने बहुत करीब से देखा है और वहां की व्यवस्थाओं को अपने स्कूल में लागू भी किया है। अभी हाल ही में एक मई से दस मई तक उन्होंने फिनलैण्ड का दौरा करके लौटे हैं। प्रस्तुत है वहां की शिक्षण प्रणाली के बारे में उनके बातचीत के अंश :

वहां की शिक्षा प्रणाली कैसी लगी ?

फिनलैण्ड में शिक्षा प्रणाली को सबसे ऊपरी दर्जा दिया गया है। सत्तर के दशक से पूर्व वहां की शिक्षा प्रणाली बहुत लचर थी, परन्तु उसके बाद वहां की सरकार ने इस शिक्षा प्रणाली में सुधार करने का फैसला किया और इस प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन किया। आज इसका यह परिणाम है कि वहां की अच्छी शिक्षा प्रणाली के कारण वह देश हर दृष्टि से आगे है। वहां की शिक्षा प्रणाली पर बहुत अधिक ध्यान दिया जाता है। अन्तरराष्ट्रीय रैंकिंग प्रणाली (पीसा) के अनुसार शिक्षा के क्षेत्र में फिनलैण्ड दुनिया का नम्बर वन देश है।

अपने देश से वहां की शिक्षा प्रणाली कितनी अलग?

अपने देश में जिस तरह आईएएस का चयन किया जाता है, वहां इस तरह शिक्षकों का चयन किया जाता है। शैक्षणिक योग्यता व अंकों के साथ- साथ उनकी कम्यूनिकेशन स्किल्स, एथिक्स पर विशेष ध्यान दिया जाता है। शिक्षक चयन के लिए प्रार्थी को कई चरणों से गुजरना पड़ता है और लगभग बारह सौ अभ्यर्थियों में से एक शिक्षक का चयन किया जाता है। वहां शिक्षक के लिए न्यूनतम योग्यता स्नातकोत्तर है। जबकि अपने यहां सरकारी स्तर तक तो फिर भी लोक सेवा आयोग जैसी सरकारी एजेन्सियां चयन करती है, जबकि निजी स्कूलों में इस तरह की व्यवस्था कम है। निजी स्तर पर भी ऐसी व्यवस्था हो जाए तो अपने देश की शिक्षा प्रणाली में बहुत अधिक सुधार लाया जा सकता है।

वहां की शिक्षा व्यवस्था में सरकार का कितना सहयोग?

वहां अपने देश की तरह सरकारी व निजी स्कूलों का पैटर्न नहीं है। वहां बच्चों की पढ़ाई का पूरा खर्च व खाने पीने तक का खर्च सरकार वहन करती है। वहां स्कूल प्रबंधन को सरकार की ओर से 6 हजार यूरो (साढ़े चार लाख रुपए) प्रति विद्यार्थी प्रतिवर्ष दिये जाते हैं। इस राशि से बच्चों की पढ़ाई का समस्त खर्च होता है। इससे अभिभावकों पर बच्चों की पढ़ाई का बोझ नहीं पड़ता।

वहां के स्कूल में कैसा महसूस करता है विद्यार्थी

सबसे बड़ी बात यह है कि वहां बच्चे पर बंदिश नहीं है। करीब बीस विद्यार्थियों पर एक अध्यापक का अनुपात रखते हुए अध्ययन करवाया जाता है। सभी कक्षा कक्ष सुसज्जित व अत्याधुनिक तकनीक से परिपूर्ण है। इसलिए स्कूल के पांच छह घण्टे कब गुजर जाते हैं, यह विद्यार्थी को पता ही नहीं चलता। पढ़ाई के साथ- साथ विद्यार्थी को खेल व अन्य गतिविधियों में भी भाग लेने का पर्याप्त अवसर दिया जाता है।

समाज में शिक्षक को कैसा दर्जा ?

खास बात यह है कि वहां अध्यापक को समाज में उच्च दर्जा दिया जाता है। भ्रमण के दौरान शिक्षकों व विद्यार्थियों से भी बातचीत की एवं उनसे स्कूल के अनुभव बांटे। वहां के लोगों से बातचीत की तो उन्होंने अध्यापक का दर्जा सबसे ऊपर बताया।

वहां की व्यवस्था को अपने स्कूल में कितना लागू करेंगे?

वहां के कक्षा- कक्ष के अनुरूप अपने यहां के कक्षा कक्षों को बनाने के लिए कार्य करेंगे। हालांकि वहां की तरह डिजीटल क्लासरूम भी है, फिर भी उनमें और सुधार करेंगे। बच्चा स्कूल में बंदिश महसूस नहीं करे, इस तरह की शिक्षा व्यवस्था लागू करना चाहते हैं। स्टाफ की एक बैठक लेकर वहां की शिक्षा प्रणाली के बारे में अवगत कराया गया है। जहां तक संभव होगा, वहां की शिक्षा प्रणाली के अनुरूप व्यवस्थाएं लागू की जाएगी।

एकेडमिक अचीवमेंट के साथ- साथ एथिक्स व वैल्यूज जरूरी

नोजगे के प्रबंध निदेशक डॉ.पीएस.सूदन का कहना है कि वर्तमान में विद्यार्थी अपने अध्ययन के प्रति लापरवाह नहीं, अत्यधिक गंभीर है और इसी का परिणाम है कि विद्यार्थी अच्छे अंक प्राप्त कर रहे हैं।

बारहवीं कक्षा के इस परिणाम की सफलता का पहला श्रेय विद्यार्थियों को है, जिन्होंने जी जान से मेहनत कर सफलता हासिल की।

अभिभावकों का श्रेय भी कम नहीं, जिन्होंने विद्यार्थियों को सदैव आगे बढ़ने के लिए समय- समय पर प्रेरित किया तथा उस अनुरूप व्यवस्था उपलब्ध करवाई। इसके साथ- साथ स्कूल स्टाफ ने पूरी लग्न व उत्साह से अध्यापन करवाया। सभी के टीमवर्क का ही परिणाम रहा कि विद्यार्थियों ने उच्च अंक हासिल किए हैं।

उनका कहना है कि एकेडमिक सफलता तक तो यह सब ठीक है परन्तु व्यवहारिक स्तर की सफलता के लिए अभी बहुत कुछ करना बाकी है। वर्तमान समय में विद्यार्थियों के एथिक्स व वैल्यूज पर अत्यधिक ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि सफलता का अंतिम सौपान इस बात पर निर्भर करता है कि संबंधित विद्यार्थी में एथिक्स व वैल्यूज कैसा है। क्योंकि वर्तमान युग में एकेडमिक सफलता के साथ- साथ निजी व सरकार क्षेत्र में करियर के वक्त इस बात पर ध्यान दिया जाता है कि संबंधित अभ्यर्थी की सॉफ्ट स्किल्स कैसी है, वह वैल्यू बेसड पर्सन और सौशल है या नहीं। उसकी कम्यूनिकेशन स्किल्स को परखने के साथ- साथ यह भी देखा जाता है कि वह सौशल थिंकर है या नहीं।

ये सब बातें नींव से ही मजबूत हो तो विद्यार्थी भविष्य में अच्छी सफलता हासिल कर सकता है। स्कूल में सह शैक्षणिक गतिविधियों में इन्हीं सब बातों का ध्यान रखा जाता है और विद्यार्थी को इस लायक बनाने का प्रयास किया जाता है। परीक्षा परिणाम के बाद स्कूल में बधाई देने पहुंचे विद्यार्थियों को भी डॉ.सूदन ने यह संदेश दिया एवं भविष्य में करियर के क्षेत्र में अच्छी सफलता हासिल करने के लिए इन बातों पर बल देने की बात कही।

Finnish Education System

Based on recent visit to Finland

Finland is a Northern European country bordering Sweden and Russia. Since it implemented huge education reforms 40 years ago, Finland's school system has consistently came at top for the international ranking for education system.

Teaching profession is considered to be among best professions in Finland. They are given same status as doctors and judicial services. The minimum qualification for a teacher is post graduation and teachers are selected from top ten percent of graduates. Teachers are selected on the basis of ethical competence, intellectual competence, communication competence and cultural, communal & social competence. Their subject knowledge and pedagogical knowledge are integrated. Teachers like their jobs and learning is valued high in Finnish Society. 95% of teachers are satisfied with what they do in school. 91% of teachers enjoy their work even the class size does not matter to them.

Teachers enjoy almost full autonomy. They are not evaluated. They are recognized and appreciated as professionals. Teachers are most trusted professionals in Finnish Society. The more trust teachers are given, the more motivated, they are to work and take responsibility. Their competence is recognized in terms of professional ethics and pedagogical expertise.

There is no entry age in Finnish schools even infants are given full care in schools. Pre-schooling usually starts at the age of three and six plus children are enrolled in primary education. Comprehensive schooling starts after the age of nine. Finnish children rarely take examinations or do home work until they are into teens. The children are not measured at all for the first six years of education. There is only one mandatory standarised test in Finland taken when children are at sixteen. All children, intelligent or not, are taught in same class rooms. Thirty percent of children receive extra help during their first nine years of school. Sixty six percent children attend college. The difference between strongest and weakest students is the smallest in the world. Forty three percent of Finnish high school students go to vocational schools. Elementary students get 75 minutes recess a day in Finland. The schools are hundred percent funded by state. Schools get 6000 euro (Rs.4,50,000) per student per year from the state and they are given free education and meal in schools.

- DR. P. S. SUDEN

Affiliated to CBSE, New Delhi Affiliation No. 1730122

NOSEGAY PUBLIC SCHOOL

Tel 0154-2465813, 2100814, Fax : 0154-2465648, 094140-93674, 094141-87874
nosegaysgnr@hotmail.com, www.nosegaypublicschool.com

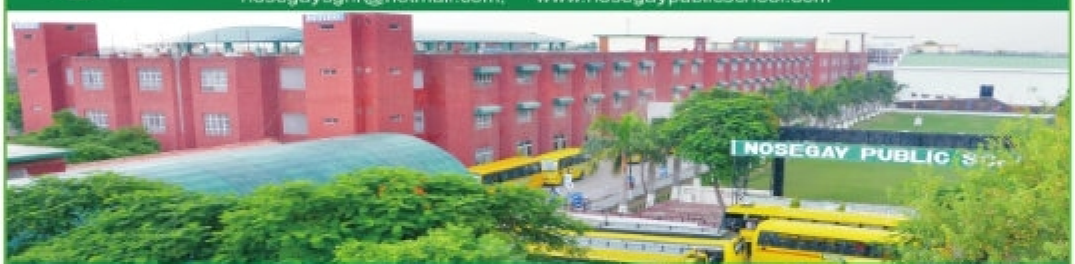

/Nosegay.Public.School.Sriganganagar /NosegaySchool YouTube /Nosegaypublicschool

- Generally 25% students score cent-percent CGPA in secondary.
- 55% students score 'A' grade in secondary.
- 15% to 20% students in the Senior Secondary score above 90% marks.
- 35% students in the Senior Secondary score above 80% marks.
- Dainik Bhaskar's exclusive survey ranked NOSEGAY at the first position in the list of top 10 schools of the region with lowest fee structure.
- A serene state of the art infrastructure covering over 12 acres.
- High-tech facilities, ultra-modern vast infrastructure, with multimedia, auditorium, swimming pool, gym, latest indoor and outdoor sports complex & a dedicated team of 320 staff members.
- Nosegay Team has the spectacular achievement of being the NATIONAL CHAMPION in CBSE Handball twice.
- Nosegay Team won the West Zone Handball Championship four times.
- The school team won the Cluster Volleyball Championship twice.
- Nosegay team was the National Champion in Judo in 2003 and won the West Zone Judo Championship twice.
- West Zone Cluster Table-Tennis Championship was retained for a decade.
- Silver and Bronze Medal in International Chess Championship (Kendy, Sri Lanka)
- Nosegay Team has successfully unfurled the school flag 8 times as victors in Athletics CBSE Clusters.
- All the classrooms are digitally equipped (smart classes) with the latest teaching software.
- The entire campus is under strict surveillance with CCTV cameras everywhere & a committed leased line.
- The school remains unparalleled for all kinds of co-curricular programmes and a host of concerts involving eminent musicians and dancers.
- The school premises are adorned with four big libraries with a collection of around 65,000 books.
- Creativity and aesthetics is encouraged in students by our two beautiful art galleries thereby making Nosegay a Global School of International standards.
- Learning while enjoying through educational excursions to USA, Europe etc.
- Easy placement in prestigious institutes worldwide for higher learning.
- MOU with state university of New York (USA) for higher studies.

- Girls Hostel : The girl's hostel in the campus has triple seated air conditioned rooms with attached facilities and an excellent kitchen. Special coaching in required subjects, multimedia, theatre, swimming pool, library, horse riding, gym, yoga, indoor & outdoor games are amongst the many facilities enjoyed by the hostel students.
- Boys Hostel Commencing in the new session.
  Total Expenses : Approximately one lac rupees per annum.

Note : Seats reserved under RTE at entrance level.

Total number of children studying under RTE are 113. School is also providing uniforms and books to children of neighbouring Government School (Birthlianwali, 7-E Chhoti, SGNR) from last five years.

PRINCIPAL

नोजगे पब्लिक स्कूल, हनुमानगढ़ रोड, श्रीगंगानगर की प्रबंध समिति के फाउण्डर चेयरमैन प्रो. पी.एस. सूदन एवं प्राचार्य निर्मिका एस. रेड्डी के आदेशानुसार पारीक कम्प्यूटर्स, पावर हाउस रोड, श्रीगंगानगर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित 'नोजगे टाइम्स' (मासिक) स्कूल के विद्यार्थियों को निःशुल्क वितरण हेतु है। संपादक : कमल